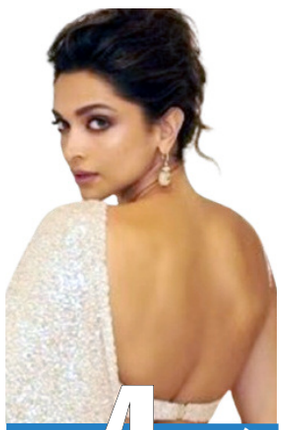

पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

दीपिका की खूबसूरती देख मुरीद हो गए थे भंसाली

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 42 ■ अंक : 186 ■ शुक्रवार, 11 अक्टूबर 2024 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
/ulhasvikas संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.L.B.) Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

अंबरनाथ में मेडिकल कॉलेज होगा शुरू

■ प्रधानमंत्री ने किया उद्घाटन

■ 12 नवंबर से होगी शुरूआत

अंबरनाथः ठाणे जिले का पहिला सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल 12 नवंबर से शुरू हो रहा है। कॉलेज का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑनलाइन सिस्टम से किया। इस 100 छात्रों की क्षमता वाले एक कॉलेज और 430 बिस्तरों वाले एक अस्पताल के रूप में डिज़ाइन किया गया है। इस अवसर पर महाराष्ट्र में दस अन्य नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों का उद्घाटन समारोह भी आयोजित किया गया।

अंबरनाथ शहर में कई वर्षों से सरकारी मेडिकल कॉलेज की मांग हो रही थी. आखिरकार अंबरनाथ के सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल को मंजूरी मिल गई। इसे 100 छात्रों की क्षमता वाले एक कॉलेज और 430 बिस्तरों वाले एक अस्पताल के रूप में डिज़ाइन किया गया है। इसके लिए अंबरनाथ पूर्व में 21 एकड़ आरक्षित भूमि पर भवन निर्माण के लिए 403 करोड़ रुपये की अनुमति और फंड पहले से ही उपलब्ध था.

ऐसे में उम्मीद थी कि इस साल एडमिशन के बाद अंबरनाथ में कोर्स शुरू हो जाएगा। इसी पृष्ठभूमि में राज्य में दस नये मेडिकल कॉलेजों का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया. इसके तहत अंबरनाथ में सरकारी मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन किया गया।

वर्तमान में अंबरनाथ ग्रीन सिटी में नवनिर्मित सुपर स्पेशलिटी अस्पताल और अंबरनाथ पश्चिम में डेंटल कॉलेज भवन में 100 छात्रों को चिकित्सा शिक्षा प्रदान की जाएगी। कॉलेज का मुख्य भवन और अस्पताल का निर्माण पूरा होने के बाद छात्रों को एक ही छत के नीचे सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। स्कूल में छात्रों के लिए प्रवेश प्रक्रिया इस महीने की 5 तारीख से शुरू हो गई है और छात्रों की कक्षाएं 12 नवंबर से शुरू होंगी।

कॉलेज तैयार

अधिष्ठाता संतोष वर्मा ने कहा कि कॉलेज प्रबंधन द्वारा एमबीबीएस प्रथम वर्ष की सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस हेतु आवश्यक प्रोफेसरों की भर्ती पूरी कर ली गई है तथा विद्यार्थियों के आवास के लिए प्रयोगशाला, सामग्री, कक्षा-कक्ष, छात्रावास के विकल्प भी उपलब्ध हैं।

उल्हासनगर स्टेशन के पास स्काईवॉक बंद

स्ट्रक्चरल आडिट के बाद मनपा ने लिया फैसला

आम लोगों के लिए बन चुका था खतरनाक

स्टेशन से चांदीबाई कालेज तक रहेगा खुला मरम्मत के बाद लोगों के लिए होगा शुरू

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगर पालिका ने गुरुवार 10 अक्टूबर से उल्हासनगर रेलवे स्टेशन के पास स्काईवॉक को बंद करने का फैसला किया है। केवल उल्हासनगर रेलवे स्टेशन से चांदीबाई कॉलेज तक स्काईवॉक यात्रा के लिए खुला रहेगा। प्रशासन के स्ट्रक्चरल ऑडिट से पता चला है कि स्काईवॉक खतरनाक स्थिति में है। इसलिए पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए यह अहम फैसला लिया गया है. आगे की मरम्मत होने तक स्काईवॉक बंद रहेगा, जिससे पैदल चलने वालों के लिए खतरा आंशिक रूप से कम हो जाएगा।

उल्हासनगर का यह स्काईवॉक, जो 2007 में 34 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया था, आज बेहद खतरनाक स्थिति में पहुंच गया है। उल्हासनगर के पूर्वी और पश्चिमी हिस्से को जोड़ने वाला यह महत्वपूर्ण स्काईवॉक टूटी टाइल्स, टूटे खंभों, टूटी रेलिंग और टूटी छत के कारण खतरनाक हो गया है।

मनपा की 90 पन्नों की संरचनात्मक ऑडिट रिपोर्ट में स्काईवॉक की तत्काल मरम्मत की आवश्यकता का उल्लेख किया गया है। रिपोर्ट पेज नं. 86 में स्पष्ट रूप से

कहा गया है, मरम्मत की योजना में देरी से संकट बढ़ जाएगा और मानव जीवन के साथ-साथ आर्थिक नुकसान भी अधिक होगा।

इस स्काईवॉक की खतरनाक स्थिति को लेकर सामाजिक संस्था 'एक हाथ मदतीचा' के अध्यक्ष विजय कदम ने उल्हासनगर मनपा आयुक्त विकास ढाकने को निवेदन दिया था. जिसके बाद, मनपा प्रशासन ने स्काईवॉक को तुरंत बंद करने का निर्णय लिया है। हालांकि, महानगर पालिका ने स्पष्ट किया है कि उल्हासनगर रेलवे स्टेशन से चांदीबाई कॉलेज तक स्काईवॉक जारी रहेगा। इस महत्वपूर्ण निर्णय के कारण पैदल यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। विजय कदम ने कहा, "हमने उल्हासनगर के नागरिकों की सुरक्षा के लिए लगातार प्रयास किए हैं और आखिरकार हमारी मांग सफल हुई है."

इस स्काईवॉक की मरम्मत और रखरखाव पर कई वर्षों से ध्यान नहीं दिया गया, जिसके कारण यहां अपराध की घटनाओं में भारी वृद्धि हुई है। अंधेरे का फायदा उठाकर चोर, लुटेरे और बदमाश राहगीरों को लूट लेते हैं और उनके साथ मारपीट करते हैं, ऐसी घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं। तीन साल पहले यहां एक पुलिसकर्मी पर हमला किया गया था और एक नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ की गई थी, यह मामला आज भी नागरिकों के जेहन में ताजा है. उल्हासनगर मनपा प्रशासन ने संशोधित बजट 2024-25 में स्काईवॉक के नवीनीकरण के लिए 3.17 करोड़ रुपये के फंड आवंटन को मंजूरी दी है। धनराशि उपलब्ध होते ही मरम्मत कार्य शुरू करा दिया जाएगा। उल्हासनगर के लोगों ने फैसले का स्वागत किया और मांग की कि मरम्मत कार्य जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए और स्काईवॉक को फिर से सुरक्षित यात्रा के लिए उपलब्ध कराया जाना चाहिए। मनपा प्रशासन ने कहा है कि मरम्मत का काम पूरा होने के बाद ही स्काईवॉक यात्रा के लिए खुला रहेगा.

गरबा देखने के चक्कर में करंट लगने से लड़के की मौत

कल्याण. गरबा देखने की चाहत ने एक नाबालिग की जान ले ली. कल्याण में मंगलवार रात ट्रांसफार्मर की दीवार पर चढ़े एक लड़के की करंट लगने से मौत हो गई. मृत लड़के का नाम कमलाकर खांडू नवाले (15) है और वह 10वीं कक्षा में पढ़ता था. खडकपाड़ा इलाके में नवरात्रि पर्व के मौके पर गरबा का आयोजन किया गया.

कमलाकर नवाले जो इसी इलाके में रहता है, वह गरबा देखने गया था. लेकिन भीड़ होने के कारण वह सड़क के बगल में लगे ट्रांसफार्मर की दीवार पर चढ़ गया. यह इलाके के लोगों ने देख लिया. उन्होंने तुरंत कमलाकर को नीचे उतरने को कहा. लेकिन दीवार से नीचे उतरते समय ट्रांसफार्मर के तार छू जाने से उसका संतुलन बिगड़ गया और करंट की चपेट में आ गया। लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई.

महादान कर दीपावली मनाएं : महेश सुखरामानी

उल्हासनगर । महाराष्ट्र राज्य सिंधी साहित्य अकादमी के कार्य अध्यक्ष महेश सुखरामानी के कार्यालय में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी महादान परियोजना पर बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें यह तय हुआ कि गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को दिवाली पर्व पर महादान किया जाएगा और उनके साथ शामिल होकर दिवाली का त्यौहार उत्साह के साथ मनाया जाय।

ज्ञात हो कि सुखरामानी के नेतृत्व में 10 वर्षों से महादान परियोजना का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य में लोगों के सहयोग से पुरानी वस्तुएं, कपड़े तथा अन्य सामाग्री श्री सुखरामानी के कार्यालय में जमा की जाती है और उन्हें रीसाइक्लिंग के लिए भेज दिया जाता है और उसे बेचकर जो पैसे मिलते हैं उनसे कपड़े और अन्न खरीद कर गरीब और मध्यम परिवारों के बीच वितरित किया जाता है जिससे वह दिवाली पर्व बड़े ही उत्साह के साथ मना पाए।

महेश सुखरामानी के साथ इस कार्य में रोटरी क्लब ऑफ उल्हासनगर सपना गार्डन और रोटा रेक्ट क्लब ऑफ उल्हासनगर सपना गार्डन एंटरप्राइजेज शिव कॉलोनी हनुमान मंदिर के पास चोपड़ा कोर्ट, शामिल रहते हैं और सभी लोग मिलकर इस महादान योजना को पूरा करते हैं। जिसको भी इस महादान परियोजना में भाग लेना है वह झूलेलाल ट्रस्ट स्कूल के पास किंग प्लाजा, महेश सुखरामनी के कार्यालय, केके बालकृष्ण धर्मशाला बस स्टॉप के सामने उल्हासनगर 1, साईराज गारमेंट, साईं बाबा मंदिर के पास सेक्शन 39 उल्हासनगर 4, राहुल स्कूल ऑफ डांस एंड फिटनेस एस एच एम कॉलेज के पास उल्हासनगर 4, माय क्लासेस सीएचएम कॉलेज के पास उल्हासनगर 3 शामिल हो सकते है और पुरानी चीज देकर यहां पर गरीबों के लिए महादान कर सकता है। ऐसा आव्हान श्री सुखरामानी ने किया है।

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो. फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिप सकता. - महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास संपादकीय

उमर अब्दुल्ला के हाथ में नहीं होगी पूरी ताकत

जम्मू-कश्मीर के लोगों ने स्पष्ट जनादेश देकर एक स्थिर सरकार की बुनियाद रख दी है। अब नई सरकार के सामने जहां जन आकाक्षांओं को पूरा करने संबंधी चुनौतियां होंगी, वहीं अपने संकल्प को पूरा करने का अवसर भी। चुनाव से पहले ही जनता ने अपने इरादे जाहिर कर दिए थे कि वह अलगाववाद और आतंकवाद से मुक्ति चाहती है। जिस उत्साह और निडरता से लोगों ने मतदान में हिस्सा लिया, उससे जाहिर है कि लोग वहां एक मजबूत लोकतंत्र देखना चाहते हैं। कांग्रेस लोकलुभावन योजनाओं और वादों के साथ मैदान में उतरी थी, मगर नैशनल कांफ्रेंस पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल कराने और उन कानूनों को खत्म करने के वादे के साथ चुनाव लड़ी, जो विशेष राज्य के दर्जे को प्रभावित करते हैं।

नतीजों से साफ है कि कश्मीर के मतदाताओं ने नैशनल कांफ्रेंस के वादे पर भरोसा किया है। मगर इन नतीजों से यह संदेश निकला है कि लोग राज्य में अमन-चैन चाहते हैं। इसलिए नैशनल कांफ्रेंस को अपने कुछ एजंडों को छोड़ कर अब ऐसा वातावरण बनाना होगा, जिसमें नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस करें। राज्य में अमन कायम हो और वह देश के विकास के साथ कदम से कदम मिला कर चल सके। नई सरकार को अब सकारात्मक रुख दिखाने के साथ शासन की राह में आने वाली बाधाओं को भी पार करना है। केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद जम्मू-कश्मीर में हालात पहले जैसे नहीं हैं। उपराज्यपाल के पास असीमित शक्तियां हैं। भावी मुख्यमंत्री को कानून व्यवस्था से लेकर कई प्रशासनिक मामलों में प्रस्ताव उपराज्यपाल के पास भेजने होंगे। ऐसे में नौकरशाही नई सरकार के काम में कितनी मददगार साबित होगी, यह देखने की बात है।

एक तरफ गठबंधन सरकार को वे सभी वादे पूरे करने हैं, जो उसने मतदाताओं से किए हैं, दूसरी तरफ उसे विकास योजनाओं को लागू करने के लिए केंद्र सरकार से सहायता की दरकार होगी। ऐसे में केंद्र से भी अपेक्षा की जाती है कि वह राज्य के रचनात्मक विकास में उदारता दिखाएगा। जम्मू-कश्मीर में मजबूत लोकतंत्र और शांतिपूर्ण वातावरण बनाने के साथ उसके विकास के लिए यह समन्वय बहुत जरूरी है।

नमक के गरीब कारीगरों की जिंदगी में बढ़ती कड़वाहट

इंसानी जिंदगी में नमक का किरदार बहुत बड़ा है। भोजन में नमक न डला हो, तो बेस्वाद हो जाता है। नमक के सही अनुपात से हमारा शरीर सही काम करता है। हमें हर हाल में नमक चाहिए, पर हम नहीं देखते कि हमारे लिए कौन नमक बनाता है, कौन नमक कौन भेजता है? हमें नमक बनाने वाले कारीगरों के बारे में जरूर सोचना चाहिए।

ध्यान रहे, नमक के कारीगर अपनी जिंदगी खतरे में डालकर हमारे लिए साफ-सुथरा नमक तैयार करते हैं, पर बीते कुछ महीनों से समुद्र के खारे पानी से नमक बनाने वाले कारीगरों के सामने अचानक से परेशानियों का अंबार लग गया है। परेशानी यह है कि उन्हें बेदखली का आदेश दे दिया गया है। वैसे भी भारत में नमक निर्माण कार्य बहुत सीमित है। मात्र गुजरात के खड़गौड़ा, भावनगर, पोरबंदर और कच्छ के रण में ही नमक उत्पादन होता है। देश में सालाना करीब तीन करोड़ टन नमक का उत्पादन होता है। नमक निर्माण में भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर आता है। पहले स्थान पर चीन और दूसरे स्थान पर अमेरिका है।

पिछले वर्ष-2023 में भारत ने करीब 33.80 करोड़ डॉलर के नमक का निर्यात किया है। टाटा नमक भारत का सबसे बड़ा पैकेट बंद नमक ब्रांड है, जिसकी बाजार हिस्सेदारी 17 फीसदी है। भारत में नमक उद्योग से प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से करीब पांच लाख लोग जुड़े हैं। समुद्र के खारे पानी से नमक बनाने में इस वक्त तकरीबन 8,000 कारीगर सीधे जुड़े हैं, पर अब उनके सामने रोजी-रोटी का

संकट खड़ा हो गया है। गुजरात सरकार ने उन्हें काम रोकने और अपना बोरिया-बिस्तर समेटने के लिए कह दिया है।

गौरतलब है, दशकों से गुजरात का कच्छ जिला, जो समुद्री खारे पानी के लिए प्रसिद्ध रहा है, 'नमक रण' क्षेत्र कहा जाता रहा है। पुराने जमाने में उसे 'नोनिक' भी कहते थे। नोनिक का मतलब होता है 'नून', यानी नमक बनाने का स्थान। यह क्षेत्र कभी राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हुआ। हालांकि, सरकार के सामने भी 'नमक श्रमिकों' को एकाएक बेदखल करने की तमाम कानूनी दिक्कतें हैं। 1942 में अंग्रेजी हुकूमत ने नमक मजदूरों को यह धंधा 'वन अधिकार कानून' के तहत आवंटित किया था। सरकार के पास कोई अधिकृत कागजी दस्तावेज नहीं है, इसलिए अड़चनें सरकार के सामने भी खड़ी हैं। यह मामला निश्चित रूप से अदालत में जाएगा और वहीं से कोई समाधान निकलेगा। अदालत सरकार से पहला सवाल यही करेगी कि किस अधिकार से उन्होंने वहां अभयारण्य बनाने का निर्णय लिया है और बिना वैकल्पिक व्यवस्था के नमक के कारीगरों को कैसे बेदखली का आदेश पारित किया है? नमक के कारीगरों के हितों को देखते हुए अदालत हुकूमत के समक्ष मानवीय पक्ष का भी हवाला जरूर देगी और देना भी चाहिए।

यह भी गौर करने की बात है कि नमक निर्माण का काम साल भर नहीं चलता है। कारीगरों के हिस्से काम के मात्र चार महीने आते हैं, बाकी 8 महीने काम बंद रहता है। समुद्री तूफानों के आने से धंधा पूरी तरह चौपट हो जाता है। एक बड़ी समस्या यह भी है कि नमक कारीगरों के हिस्से मेहनत की पूरी कमाई नहीं आती है। बाजार में नमक 20 रुपये किलो बिकता है, पर उसमें से केवल एक रुपया कारीगरों की जेब में जाता है। बिचौलिए इनकी कमाई खा जाते हैं। इनके हक-हुकूक के लिए बोलने वाला कोई नहीं होता, इसलिए इनका खुलेआम शोषण होता है। श्रमिकों के हालात देखकर कोई भी इनकी परेशानियों का अंदाजा लगा सकता है। असली और नकली नमक की पहचान इन्हीं कारीगरों को होती है। बेकार नमक के सेवन से घेंघा जैसी बीमारियां होती हैं।

नमक के कारीगरों से जुड़ा सबसे दुखद पहलू यह है कि तकरीबन 98 फीसदी कारीगर चर्म रोग के शिकार हो जाते हैं। ज्यादातर कारीगरों की आंखें खराब हो जाती हैं, मोतियाबिंद हो जाता है। कई तरह के हड्डी रोग हो जाते हैं। घुटने जल्दी जवाब दे जाते हैं। उनके पास इलाज के लिए पर्याप्त पैसे नहीं होते हैं। कच्छ में ही करीब 8 हजार नमक कारीगर अब भी गरीबी रेखा के नीचे हैं। 90 प्रतिशत कारीगर भूमिहीन हैं। अब सरकारी सहयोग नहीं मिलने से नमक के कारीगरों का मोहभंग होने लगा है।

आत्मा हमारे भीतर मौजूद जीवनदायी शक्ति है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

रिजर्व बैंक ने रेपो दर को रखा स्थिर

करीब दो वर्ष पहले जब खुदरा महंगाई बढ़ कर सात फीसद के आसपास पहुंच गई थी, तब रिजर्व बैंक ने रेपो दरें बढ़ानी शुरू की थी। थोड़े-थोड़े समय बाद छह बार रेपो दर में बढ़ोतरी की गई और वह ढाई फीसद तक बढ़ गई।

भारतीय रिजर्व बैंक ने फिर अपनी मौद्रिक नीति में कोई बदलाव करने से परहेज किया है। दसवीं बार रेपो दर को यथावत रखा गया है। फिलहाल वह साढ़े छह फीसद है। यह फैसला महंगाई पर काबू पाने के मकसद से किया गया है। रिजर्व बैंक ने अगले दो वित्त वर्षों में महंगाई के चार फीसद से ऊपर रहने का अनुमान लगाया है। नई मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए चालू वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद की पहले की अनुमानित दर को कम किया गया है। स्वाभाविक ही रिजर्व बैंक के कदम अभी ठिठके हुए हैं।

रिजर्व बैंक का मानना है कि अगर महंगाई को चार फीसद से नीचे लाकर स्थिर करने में कामयाबी मिल जाती है, तो विकास दर दहाई के आंकड़े को छू सकती है। हालांकि दुनिया में जिस तरह के हालात हैं और बहुत सारे देश मंदी की मार झेल रहे हैं, उसमें भारत की अर्थव्यवस्था ने अपने को संभाल रखा है। यहां मंदी के झटके उस तरह नहीं लगे, जैसे कई विकसित कहे जाने वाले

देशों में भी देखने को मिले। इस वक्त भारत दुनिया की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। ऐसे में रिजर्व बैंक ब्याज दरों में किसी भी तरह का परिवर्तन कर कोई जोखिम नहीं उठाना चाहता।

यह ठीक है कि रेपो दर में कोई बदलाव न होने से कर्ज लेकर घर, वाहन आदि खरीदने वालों पर किस्त चुकाने का बोझ नहीं बढ़ेगा। मगर हकीकत यह है कि फिलहाल रेपो दर अपने उच्च स्तर पर है। रेपो वह दर होती है, जिस पर रिजर्व बैंक दूसरे बैंकों को कर्ज देता है। इस तरह बुजुर्गों आदि को अपने बचत खाते की जमा राशि पर कुछ अधिक ब्याज मिल रहा है। मगर जिन लोगों ने कर्ज लिया हुआ है, उन पर पहले की तुलना में किस्तें बढ़ा कर चुकानी पड़ रही हैं।

करीब दो वर्ष पहले जब खुदरा महंगाई बढ़ कर सात फीसद के आसपास पहुंच गई थी, तब रिजर्व बैंक ने रेपो दरें बढ़ानी शुरू की थी। थोड़े-थोड़े समय बाद छह बार रेपो दर में बढ़ोतरी की गई और वह ढाई फीसद तक बढ़ गई। इससे आंकड़ों में महंगाई पर अंकुश तो लगता दिखा, पर लोगों पर किस्तों का बोझ भी बढ़ गया। लंबे समय से अपेक्षा की जा रही है कि रिजर्व बैंक रेपो दर में कुछ कटौती करेगा, ताकि व्यवसायियों और नौकरी-पेशा लोगों को मकान, दुकान, वाहन आदि के कर्ज का बोझ कुछ कम हो। मगर रिजर्व बैंक फूंक-फूंक कर कदम रख रहा है।

जहां तक महंगाई पर काबू पाने का सवाल है, आंकड़ों में जरूर इसे कुछ काबू में दिखाया जाता है, मगर धरातल पर यह लगातार आम आदमी की जेब पर बोझ डाल रही है। खाने-पीने की वस्तुओं के दाम लोगों की पहुंच से दूर होते जा रहे हैं। अनाज, दालों, दूध-घी, खाद्य तेलों, फल-सब्जियों की कीमतें उन दिनों में भी घटती नजर नहीं आतीं, जब बाजार में उनकी आवक तेज होती है। त्योहारों का मौसम शुरू हो चुका है। इन दिनों बाजार में रौनक रहती है, कारोबारियों को कमाई की उम्मीद होती है, मगर महंगाई की मार का असर उस पर दिखता है। फिर, थोक महंगाई और खुदरा महंगाई के बीच कोई तार्किक अंतर नजर नहीं आता। ऐसे में केवल रेपो दर को यथावत बनाए रख कर रिजर्व बैंक महंगाई को काबू में रखने की अपनी कोशिशों में कितना कामयाब होगा, दावा नहीं किया जा सकता।

यहां AK 47 से करते हैं 'गौमाता' की रक्षा

दुनियाभर में कई ऐसी जनजातियां हैं, जिनके बारे में बहुत कम लोगों को ही पता है. कोई जनजाति अपने आक्रामक रवैये के कारण बाहरी लोगों को अपने एरिया में घुसने नहीं देती है, तो किसी ट्राइब्स के लोग अपनों की मौत के बाद उनकी डेड बॉडी को ही खा जाते हैं. किसी जनजाति में बड़ी होंठ वाली महिलाओं को सबसे सुंदर माना जाता है, कहीं किसी आदिवासी समाज में अपनी बीवियों को पराए मर्दों के साथ रात गुजारने की परमिशन दे दी जाती है. लेकिन आज हम आपको एक ऐसी अनोखी जनजाति के बारे में

जरा हट के

बताने जा रहे हैं, जो गायों पर जान छिड़कते हैं. इनकी रक्षा वो AK 47 जैसी खतरनाक हथियार से करते हैं. इस जनजाति का नाम मुंदरी ट्राइब है, जो अफ्रीकी देश सूडान में रहते हैं. इनके लिए गाय ही सबकुछ है.

हमारे देश भारत में जहां

गाय को माता का दर्जा प्राप्त है, बावजूद इसके गोतस्करी के मामले सामने आते रहते हैं. लेकिन सूडान के मुंदरी ट्राइब्स के एरिया में अगर गायों पर कोई खतरा दिख जाए, तो ये लोग जान लेकर या फिर जान देकर उसकी रक्षा करते हैं. मुंदरी ट्राइब्स के लोगों के लिए गाय का होना जिंदगी के सामान है. जिन लोगों के पास गाय नहीं होती है, उनके मृतक जैसा समझा जाता है. इस जनजाति के लोग गायों को बहुत ज्यादा मानते हैं, क्योंकि इन्हें चलता-फिरता दवाखाना और पैसों का भंडार माना जाता है. आपको जानकर हैरानी होगी, लेकिन बता दें कि मुंदरी ट्राइब्स के लोग अपने मवेशियों के साथ ही सोते हैं. कोई इन मवेशियों को मार न दे या फिर चुरा न ले, इसलिए एके 47 जैसे एडवांस हथियार से दिन-रात सुरक्षा में लगे रहते हैं. बता दें कि यह जनजाति दक्षिण सूडान की राजधानी जुबा से लगभग 75 किलोमीटर की दूरी पर उत्तर दिशा में रहती है.

घर में लगाना है गुलाबी सदाबहार?

- इस तरह लगाकर करें देखभाल
- हमेशा रहेगा खिला-खिला

घर के गार्डन में लगे कई पौधे औषधीय तत्वों से भरपूर होते हैं. ऐसे में जहां तुलसी और पुदीने का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है. तो वहीं त्वचा और बालों का खास ख्याल रखने के लिए एलोवेरा जेल का इस्तेमाल किया जाता है. ऐसे ही औषधीय तत्वों से भरपूर पौधा है सदाबहार का, जो डायबिटीज को मात देने का काम करता है. अगर आप भी घर में सदाबहार का पौधा लगाना चाहते हैं. तो यहां बताये जा रहे गार्डनिंग टिप्स को फॉलो कर सकते हैं.

सदाबहार का पौधा लगाने के टिप्स

घर में सदाबहार का पौधा लगाने के लिए आपको अच्छी क्वालिटी के बीजों की जरुरत पड़ेगी. इसके साथ ही मिट्टी, खाद, गमला और पानी का इस्तेमाल करके आप घर पर आसानी से सदाबहार का पौधा उगा सकते हैं.

नर्सरी से खरीदें बीज

घर में सदाबहार का पौधा लगाने के लिए आप किसी नर्सरी का रुख कर सकते हैं. नर्सरी में सदाबहार के बीज और पौधे आसानी से मिल जाते हैं. ऐसे में अच्छी क्वालिटी का बीज या हेल्दी पौधे का चुनाव करके आप अपने गार्डन को हरा-भरा रख सकते हैं. वहीं हेल्दी पौधों में ढेर सारे फूल भी खिलते हैं.

मिट्टी में खाद मिक्स करें

सदाबहार का बीज या पौधा उगाने के लिए सबसे पहले मिट्टी को फोड़कर धूप में रख दें. फिर अगले दिन मिट्टी में ऑर्गेनिक यानी जैविक खाद मिक्स करें. वहीं अगर आप चाहें तो मिट्टी की जगह बराबर मात्रा में कोकोपीट और वर्मीकम्पोस्ट का भी इस्तेमाल कर सकते हैं. अब इस मिक्सचर को गमले में भरें और फिर इसमें सदाबहार का बीज या पौधा लगाएं. इससे आपका पौधा तेजी से ग्रो करने लगेगा.

सदाबहार को कीड़ों से दूर रखें

बरसात के मौसम में अक्सर पौधों में कीड़े लग जाते हैं. ऐसे में सदाबहार को कीड़ों से बचाने के लिए आप नेचुरल कीटनाशक स्प्रे बना सकते हैं. इसके लिए बेकिंग सोडा में नींबू का रस या सफेद सिरका मिलाकर घोल बना लें. अब इसे स्प्रे बोतल में भरकर पौधों पर छिड़क दें. इससे सदाबहार के पौधे में कीड़े नहीं लगेंगे.

ऐसे करें देखभाल

सदाबहार के पौधे को हमेशा हरा-भरा रखने के लिए इसमें समय-समय पर खाद और पानी

डोसा बनाते वक्त घोल चिपक जाता है तवे पर?

आजमाइए 2 ट्रिक्स

जब आप डोसा बैटर यानी कि इसके घोल को तवे पर डालते हैं, लेकिन ये कुरकुरा भुनने की बजाय तवे पर चिपक ही जाता है. यह परेशानी अक्सर लोगों को झेलनी पड़ती है, जिस वह से वे घर पर डोसा बनाने से बचने लगते हैं. हम बता रहे हैं कि आप आसानी से तवे पर डोसा किस तरह बना सकते हैं, वो भी आसानी से.

डोसा बनाने के सिंपल ट्रिक्स

पहला तरीका

सबसे पहले आप लोहे के तवे को गैस पर रखें और खूब गर्म होने दें. जब ये अच्छी तरह गर्म हो जाए तो इस तवे पर 4 से 5 चम्मच नमक डालें और चम्मच से इसे तवे पर फैला लें. अब किचन टॉवल या कागज को मोड़कर पकड़ें और नमक से तवे को रगड़ लें.

कम से कम 2 मिनट तक तवे को रगड़ने के बाद तवे को हटाएं और सारा नमक हटा लें. तवे को फिर से गैस पर रखें और अब चम्मच से थोड़ा सा तेल गर्म तवे पर गिराएं. फिर से पेपर से इसे रगड़कर पोछ लें. अब आपका तवा डोसा बनाने के लिए तैयार है.

दूसरा तरीका

अगर आपके तवे पर डोसा का मिश्रण चिपक रहा है तो तवे को गैस से उतारें और पहले अच्छी तरह साबुन और पानी से साफ कर लें. अब गैस ऑन करें और तवे को गैस पर रखें. एक कटोरी में नारियल का तेल लें और छोटा सा कपड़ा लें. तब तवा गर्म हो जाए तो गैस बंद करें और लोहे के तवे पर अच्छी तरह कपड़े की मदद से तेल लगा दें.

तवे के आगे ही नहीं, पीछे की तरह भी तेल लगा लें. अब गैस ऑन करें और 15 मिनट तक कम आंच पर तवे को रखें. अगर धूंआ जल्दी साफ होता है। अगर आप भी ये टिप अपनाना चाहते हैं तो आधा नींबू काट कर जले हुए बर्तन पर रगड़ें। अब इसमें गर्म पानी डालकर छोड़ दें। इससे बर्तन का कालापन दूर हो जाएगा।

नमकीन सेवई

मीठा सेवई तो आप सब ने कभी ना कभी खाया ही होगा, लेकिन जब इसी सेवई से नमकीन ब्रेकफास्ट बनाया जाता है तो इसका स्वाद और भी लाजवाब होता है. आप इसे बड़ी आसानी से और काफी कम समय में अपने किचन में बना सकते हैं. यही नहीं, आप अपनी सेहत और स्वाद के हिसाब से इस रेसिपी में चीजों को जोड़ घटा भी सकते हैं. यहां हम बता रहे हैं कि आप घर पर किस तरह हेल्दी टेस्टी नमकीन सेवई बना सकते हैं.

सामग्री

- 2 कप- टूटा सेवई
- 1- बारीक कटा प्याज
- 1- बारीक कटा आलू
- 1- बारीक कटा टमाटर
- 2- बारीक कटी हरी मिर्च
- 5 से 6- करी पत्ते
- आधा चम्मच- हल्दी पाउडर
- आधा चम्मच- जीरा
- 1 चम्मच- लाल मिर्च पाउडर
- स्वादानुसार- नमक
- 4 चम्मच- तेल

बनाने की विधि

सेवई बनाने के लिए सबसे पहले पैकेट से सेवई को निकालें और तोड़कर एक प्लेट में रखें. अब

एक कढ़ाही गर्म करें और उसमें सेवई हो भूरा होने तक रोस्ट कर लें. फिर इस प्लेट में रखें और कढ़ाही में तेल डालकर गर्म करें. तेल में जीरा डालकर भून लें और फिर इसमें सारी सब्जियां एक एक कर डाल लें.

साथ में हरी मिर्च, नमक भी डालकर पकाएं. अब अन्य बर्तन में करी पत्ता, आलू डालकर भून और इसमें हल्दी, लाल मिर्च, नमक, थोड़ा सा सांबर या मैगी मसाला डालें और थोड़ा-सा पानी डालकर मसाला पका लें. अब इसमें सेवई डाल लें. सभी चीजों को मिलाकर 10 मिनट तक कम आंच पर ढंक कर पकने दें. इसे अधिक ना हिलाएं.

पकते ही इसमें नींबू निचोड़कर सर्व करें. आप चाहें तो इसमें ड्राई फ्रूट्स और पंसद की सब्जी इस्तेमाल कर सकते हैं. आप तेल की जगह घी भी इस्तेमाल में ला सकते हैं. इस

आज का राशिफल

मेष : भूमि व भवन संबंधित कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। मातहतों का सहयोग मिलेगा। कर्ज की रकम चुका पाएंगे। प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे। आलस्य न करें।

वृष : कोर्ट व कचहरी में लाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पिछले लंबे समय से रुके कार्य बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। दूसरों से अपेक्षा न करें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। व्यापार लाभदायक रहेगा।

मिथुन : चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। भाइयों से कहासुनी हो सकती है। आय बनी रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में सहकर्मी विरोध कर सकते हैं।

कर्क : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। शत्रु परास्त होंगे। व्यापार ठीक चलेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर संयम रखें। अनहोनी की आशंका रहेगी। पारिवारिक जीवन सुख-शांति से बीतेगा।

सिंह : बेवजह दौड़धूप रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कोई शोक समाचार मिल सकता है। अपेक्षित कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय बनी रहेगी। दूसरों को कार्य में हस्तक्षेप न करें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कन्या : डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा लाभदायक रहेगी। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। व्यवसाय में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। किसी अपने का व्यवहार दुःख पहुंचाएगा।

तुला : पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। मित्रों तथा पारिवारिक सदस्यों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

वृश्चिक : जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। रोजगार प्राप्ति होगी। किसी बड़ी समस्या का हल निकलेगा। प्रसन्नता रहेगी। भाग्य अनुकूल है। लाभ लें। प्रमाद न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। यात्रा में कोई चीज भूलें नहीं। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। लापरवाही न करें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें। लाभ होगा। लाभ में कमी रह सकती है। नौकरी में कार्यभार रहेगा। आलस्य न करें।

मकर : सामाजिक कार्य करने का मन बनेगा। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नए काम करने की इच्छा बनेगी। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। मनोरंजन का वक्त मिलेगा।

कुंभ : कानूनी सहयोग मिलेगा। लाभ में वृद्धि होगी। रुके कार्यों में गति आएगी। तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। शेयर मार्केट से लाभ होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यापार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ रहेगा। थकान महसूस हो सकती है।

मीन : सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। योजना फलीभूत होगी। किसी बड़ी समस्या का हल एकाएक हो सकता है। प्रसन्नता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। आय में वृद्धि होगी। सुख के साधनों

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

चाय का बर्तन हो गया है गंदा इन चीजों से करें साफ

भारतीय घरों में रसोई की काफी अहमियत होती है। हर भारतीय नारी अपने घर की रसोई को हमेशा चमचमाता रखना चाहती है पर, लाख कोशिशों के बाद भी रसोई के बर्तन चिपचिपे हो जाते हैं। कई बर्तन ऐसे होते हैं, जिनका इस्तेमाल भी काफी होता है। इनमे शामिल है चाय का बर्तन। भारतीय घरों में सबसे ज्यादा चाय बनती है। बार-बार चाय बनने से बर्तन के नीचे का हिस्सा जल जाता है। इतना ही नहीं कई बार तो बर्तन के अंदर अजीब सी गंदगी जम जाती है, जिसे रगड़ने के बाद भी साफ नहीं किया जा सकता।

अगर आप भी इस तरह सी समस्या से जूझ रहीं हैं, तो ये खबर आपके लिए है। आज की खबर में हम आपको चाय के बर्तन को आसानी से साफ करने का तरीका बताएंगे। इसके लिए आपको अपने हाथ भी खराब नहीं करने पड़ेंगे। आइए देर ना करते हुए आपको इसके कुछ टिप्स के बारे में बताते हैं।

करें बेकिंग सोडा का इस्तेमाल

बेकिंग सोडा का इस्तेमाल वैसे तो खाने में किया जाता है, पर आप इसे चाय का बर्तन साफ करने के लिए भी यूज कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले चाय बनाने वाले बर्तन के चारों तरफ सोडा डालकर पांच मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें। अब इसे डिशवॉशर और पानी से साफ कर लें। इससे बर्तन की गंदगी साफ हो जाएगी।

बर्तन पर रगड़े नींबू

चाय के गंदे बर्तन पर अगर आप नींबू रगड़ेंगे तो इससे बर्तन

सिरके का करें इस्तेमाल

चाय के जले हुए बर्तन को साफ करने के लिए आप उसमें सिरका और बेकिंग सोडा मिलाकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। इससे कुछ ही देर में आपका बर्तन साफ हो जाएगा।

नमक से करें साफ

अगर चाय या दूध का बर्तन जल गया है तो उसमें 2 चम्मच नमक डालें और फिर पैन को पानी से भरकर लिक्विड डिशवॉशर सोप डालकर हल्का गरम कर लें। अब एक घंटे इसे ऐसे ही छोड़ने के बाद चम्मच से घिस लें। इसके बाद आपको जूने से बर्तन साफ करना

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

IIT की छात्रा ने सुसाइड के लिए ऑनलाइन मंगाई थी रस्सी, दोस्तों को कहा-थैंक्स

कानपुर. आईआईटी कानपुर के हॉस्टल में ढाई साल से रह रही रिसर्च स्कॉलर प्रगति गुरुवार को क्लास में नहीं पहुंची। दोस्तों ने उसे कई बार फोन किया पर मोबाइल नहीं उठा। हॉस्टल जाकर वार्डन को सूचना दी। वार्डन के साथ कमरे के बाहर खड़े होकर जब दोस्तों ने प्रगति को फोन किया। तो उसके मोबाइल की रिंगटोन बाहर सुनाई देने लगी। कमरे के रोशनदान से झांका तो प्रगति का शव नॉयलान की रस्सी के सहारे झूलता दिखा। आईआईटी प्रबंधन को वार्डन ने सूचना दी। वहां से जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कमरे की छानबीन की। पुलिस को मौके से रस्सी की ऑनलाइन डिलीवरी का एक खाली पैकेट, स्टूल और पलंग मिला जिसका प्लाई टूटी हुई थी। पुलिस ने ऑनलाइन डिलीवरी के खाली पैकेट को भी कब्जे में लिया है। पुलिस मान रही है कि छात्रा ने सुसाइड के लिए ही ऑनलाइन रस्सी मंगवाई थी। वहीं कमरे में पुलिस को पांच पन्ने का सुसाइड नोट मिला। छात्रा ने लिखा कि मैं अपनी मौत की खुद जिम्मेदार हूं। नोट में उसने अपने दोस्तों के लिए लिखा 'आप लोगों ने मुझे बहुत कोऑपरेट किया, थैंक्स'।

भ्रष्टाचार पर चला योगी का हंटर, जौनपुर के सीआरओ और बिजनौर के एसडीएम सस्पेंड

जौनपुर. यूपी सरकार का भ्रष्टाचार पर एक बार फिर हंटर चला है। सरकार ने भ्रष्टाचार के आरोप में दो पीसीएस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। जौनपुर के मुख्य राजस्व अधिकारी (सीआरओ) गणेश प्रसाद सिंह और बिजनौर के उपजिलाधिकारी आदेश सिंह सागर को निलंबित करते हुए राजस्व परिषद से संबद्ध किया गया है। दोनों अधिकारियों के खिलाफ जांच अलग-अलग मंडलों के मंडलायुक्तों को सौंपी गई है। जौनपुर के सीआरओ गणेश प्रसाद सिंह पर वित्तीय अनियमित्ताओं के साथ ही सरकारी कामकाज में गड़बड़ी करने का आरोप है। शिकायतों के आधार पर जिलाधिकारी जौनपुर ने नियुक्ति विभाग को उन्हें निलंबित किए जाने के संबंध में पत्र भेजा था। जांच के बाद उनके ऊपर लगाए गए आरोप की पुष्टि हुई है। इसमें पाया गया कि गणेश प्रसाद सरकारी धन का दुरुपयोग कर रहे हैं। भुगतान में नियमों का ध्यान नहीं रख रहे हैं। इतना ही नहीं उच्चाधिकारियों से बिना अनुमति लिए ही अपने स्तर से काम करते रहे। उच्चाधिकारियों द्वारा समझाए जाने के बाद भी उनकी लापरवाही में कोई सुधार नहीं आया। इसके आधार पर उनके खिलाफ निलंबन की कार्रवाई करते हुए गुरुवार को आदेश जारी कर दिया है।

जमीन के लिए बेटा बना हत्यारा, नशे में अपनी ही मां के सिर पर किया वार, कुल्हाड़ी से काट डाला

सीतापुर. यूपी के सीतापुर में एक युवक जमीन के टुकड़े के लिए अपनी मां का हत्यारा बन गया। युवक ने विधवा मां को कुल्हाड़ी से वार कर मार डाला युवक नशे में धुत था। सिर पर कुल्हाड़ी के पीछे से कई वार कर दिए। 64 वर्षीय बुजुर्ग मां ने दम तोड़ दिया हालांकि गांव वाले अस्पताल ले गए थे वहां मृत घोषित कर दिया गया। आरोपी को पुलिस ने पकड़ लिया है। घटना भदफर गांव की है। यहां शम्भू दयाल की विधवा मूला देवी (64) अपने बेटे संतोष उर्फ दिवाकर के साथ रह रही थीं। शम्भू दयाल की मौत चार साल पूर्व हो गई थी। उनकी मौत के बाद चार बीघे जमीन मां और बेटे संतोष के नाम दर्ज हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि संतोष अपने हिस्से की जमीन बेच चुका है। वह नशे का आदी है। मां पर जमीन उसके नाम करने या बेच कर पैसा देने का दबाव बना रहा था। इसे लेकर आए दिन मां से झगड़ा होता था। कई बार इसने मां को मारा पीटा। कुछ दिन पूर्व मां अलग हो गई थी।

10 हजार की घूस ले रहा था लेखपाल, विजिलेंस टीम ने दौड़ाकर पकड़ा, घसीटकर ले गए थाने

कानपुर. यूपी के कानपुर जिले के बिल्हौर-मकनपुर रोड पर गुरुवार को एक लेखपाल को 10 हजार रुपये घूस लेते हुए विजिलेंस टीम ने दौड़ाकर दबोच लिया। इसके बाद घसीटते हुए थाने ले गई और लेखपाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। इससे पहले लेखपाल सरकारी जमीन कब्जाने के आरोप में सस्पेंड भी रह चुका है। वहीं, एसडीएम बिल्हौर ने लेखपाल की करतूतों की जानकारी डीएम को देकर उसके निलंबन की कार्रवाई शुरू कर दी है। विजिलेंस टीम की इस कार्रवाई से तहसील में हड़कंप मचा रहा। मृतक आश्रित कोटे से विपिन दिवाकर को लेखपाल की नौकरी मिली है। इस समय वह बिल्हौर तहसील में तैनात है। पूर्व में उसकी तैनाती पूरा गांव क्षेत्र में थी। सरकारी जमीन पर कब्जा कराने और लेनदेन की शिकायतों पर एसडीएम ने उसको सस्पेंड कर दिया था। बहाली के बाद उसे रौगांव क्षेत्र दिया गया। गुरुवार को वह बिल्हौर देहात क्षेत्र के अपने लेखपाल साथी सुनील चौधरी के साथ कार से रौगांव में एक जमीन की नाप करने गया था।

अलविदा अनमोल रत्न : रतन टाटा

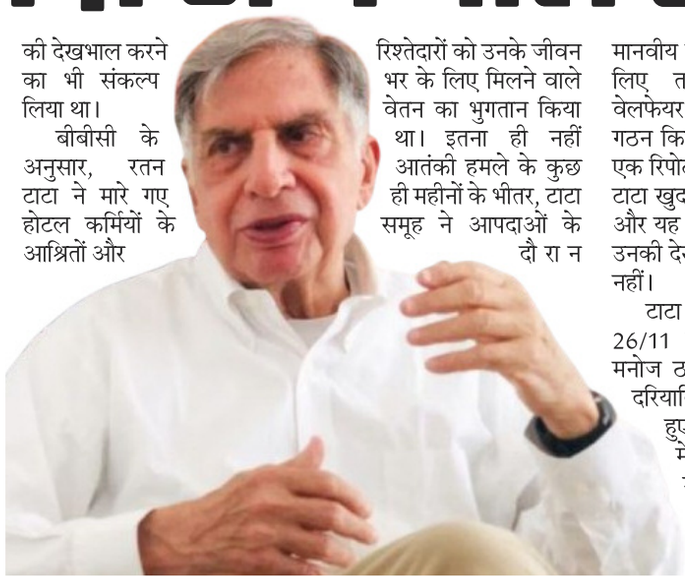

मुंबई. प्रतिष्ठित उद्योगपति रतन टाटा अब हमारे बीच नहीं रहे। मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में बीती रात उनका निधन हो गया। वह 86 साल के थे। पिछले कुछ समय से वह बीमार चल रहे थे। उनके निधन से उद्योग जगत में शोक की लहर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत देशभर की बड़ी हस्तियों ने रतन टाटा के निधन पर दुख जताया है और इसे सभी भारतीयों के लिए एक बड़ी क्षति बताया है। रतन टाटा बहुत ही दृढ़ संकल्पित और दयालु स्वभाव के इंसान थे। जब 2008 में मुंबई पर आतंकियों ने हमला कर दिया था, तब ताज होटल पर हमले के दौरान रतन टाटा ने जबरदस्त संकल्प दिखाया था।

जब सुरक्षाकर्मी इस प्रतिष्ठित होटल में आतंकियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन चला रहे थे, तब उस समय 70 वर्षीय रतन टाटा ने जबरदस्त संकल्प दिखाया था। वह पल-पल की खबर ले रहे थे। इस हमले में मारे गए 166 लोगों में से 33 लोग टाटा समूह के प्रतिष्ठित ताज होटल में 60 घंटे की घेराबंदी में मारे गए थे। इनमें 11 होटल के कर्मचारी थे। हमले के बाद, रतन टाटा ने ताज होटल को ना सिर्फ तुरंत फिर से खोलने का संकल्प लिया बल्कि हमले में मारे गए या घायल हुए लोगों के परिवारों की देखभाल करने का भी संकल्प लिया था।

बीबीसी के अनुसार, रतन टाटा ने मारे गए होटल कर्मियों के आश्रितों और रिश्तेदारों को उनके जीवन भर के लिए मिलने वाले वेतन का भुगतान किया था। इतना ही नहीं आतंकी हमले के कुछ ही महीनों के भीतर, टाटा समूह ने आपदाओं के दौरान मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए ताज पब्लिक सर्विस वेलफेयर ट्रस्ट (TPSWT) का भी गठन किया। डेक्कन हेराल्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक, तब रतन टाटा खुद पीड़ितों के घर पहुंचे थे और यह सुनिश्चित किया था कि उनकी देखभाल की जा रही है या नहीं।

टाटा डॉट कॉम के मुताबिक, 26/11 हमले के एक पीड़ित मनोज ठाकुर ने रतन टाटा की दरियादिली का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी आंखों में दया का समंदर है। उन्होंने हमें जो आश्वासन दिया था, वह सिर्फ़ कोई वादा नहीं था। उन्होंने उसे निभाया। वह अपने वचन के पक्के थे। ठाकुर ने कहा, "सच कहूँ तो वह एक फरिश्ते की तरह हैं उन्होंने सिर्फ़ मेरी ही नहीं, बहुत सी जिंदगियां बदल दी हैं।" मनोज ठाकुर 26/11 के आतंकवादी हमले में लियोपोल्ड कैफ़े के बाहर घायल हो गए थे। रतन टाटा ने न सिर्फ होटल ताज के कर्मचारियों और उनके परिजनों की चिंता की बल्कि उस होटल के बाहर भी जो लोग इस आतंकी घटना में घायल हो गए थे, उनकी भी हर तरह से मदद की थी।

माता-पिता अलग हुए, दादी ने परवरिश की

- 28 दिसंबर 1937 को नवल और सूनू टाटा के घर जन्मे रतन टाटा ग्रुप के फाउंडर जमशेदजी टाटा के परपोते थे। उनका परिवार पारसी धर्म से है। उनके माता पिता बचपन में ही अलग हो गए थे और दादी ने उनकी परवरिश की थी। 1991 में उन्हें टाटा ग्रुप का चेयरमैन बनाया गया था।
- रतन टाटा की चार बार शादी होते-होते रह गई। टाटा बताते हैं कि एक बार तो शादी हो ही गई होती, जब वो अमेरिका में थे। उसी समय उनकी दादी ने उन्हें फोन करके बुला लिया। उसी समय भारत-चीन युद्ध छिड़ जाने की वजह से वे अमेरिका नहीं जा के। कुछ समय बाद उस लड़की ने किसी और से शादी कर ली।

21 साल चेयरमैन रहे, टाटा ग्रुप का मुनाफा 50 गुना बढ़ा

- 1962 में फैमिली बिजनेस जॉइन किया था। शुरुआत में उन्होंने टाटा स्टील के शॉप फ्लोर पर काम किया। इसके बाद वे मैनेजमेंट पोजीशन्स पर लगातार आगे बढ़े। 1991 में, जे.आर.डी. टाटा ने पद छोड़ दिया और ग्रुप की कमान रतन टाटा को मिली।
- 2012 में 75 वर्ष के होने पर, टाटा ने एग्जीक्यूटिव फंक्शन छोड़ दिए। उनके 21 वर्षों के दौरान, टाटा ग्रुप का मुनाफा 50 गुना बढ़ गया। इसमें अधिकांश रेवेन्यू जगुआर-लैंडरोवर व्हीकल्स और टेटली जैसे पॉपुलर टाटा उत्पादों की विदेशों में बिक्री से आया।
- चेयरमैन का पद छोड़ने के बाद उन्होंने 44 साल के साइरस मिस्त्री को उत्तराधिकारी नियुक्त किया। उनका परिवार ग्रुप में सबसे बड़ा इंडिविजुअल शेयरहोल्डर था। हालांकि, अगले कुछ वर्षों में, मिस्त्री और टाटा के बीच तनाव बढ़ गया।
- अक्टूबर 2016 में, चार साल से भी कम समय के बाद, मिस्त्री को रतन टाटा के पूर्ण समर्थन के साथ टाटा के बोर्ड से बाहर कर दिया गया। फरवरी 2017 में नए उत्तराधिकारी का नाम घोषित होने तक टाटा ने चेयरमैन के रूप में अपना पद वापस ले लिया।

बारिश में भीगते परिवार को देख सबसे सस्ती कार बनाई

पद्म भूषण और पद्म विभूषण से सम्मानित रतन टाटा की अगुआई में ही टाटा ग्रुप ने देश की सबसे सस्ती कार लॉन्च की, तो हाल ही में कर्ज में फंसी एयर इंडिया को 18 हजार करोड़ की कैश डील में खरीदा था। बिजनेस में बेहद कामयाब रतन टाटा निजी जिंदगी में बेहद सादगी पसंद थे और मुंबई में अपने छोटे से फ्लैट में रहते थे।

कांग्रेस हिंदुओं को जाति में बांटती है -मोदी

PM ने महाराष्ट्र में 7600 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए महाराष्ट्र में 7600 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इस मौके पर पीएम ने कहा कि कांग्रेस देश को बांटने की राजनीति करती है। पीएम ने कहा- कांग्रेस के एक भी नेता ने आज तक नहीं कहा कि हमारे मुस्लिम भाई-बहनों में कितनी जातियां होती हैं। मुस्लिम जातियों की बात आते ही कांग्रेसी नेता मुंह पर ताला लगा कर बैठ जाते हैं, लेकिन जब भी हिंदू समाज की बात आती है, तो कांग्रेस उनकी चर्चा जाति से ही शुरू करती है।

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस मुसलमानों के मन में भय का माहौल पैदा कर रही है। कांग्रेस लोगों में डर पैदा करती है। कांग्रेस अपने वोट बैंक की खातिर देश का सांप्रदायिककरण कर रही है। कांग्रेस का फॉर्मूला साफ है कि मुसलमानों को डराते रहो, उनको भय दिखाओ, उनको वोट बैंक में कन्वर्ट करो और वोट बैंक को मजबूत करो।

कांग्रेस की नीति हिंदुओं की एक जाति को दूसरी जाति से लड़ाने की है। कांग्रेस जानती है हिंदू जितना बंटेगा, उतना ही उसका फायदा होगा। कांग्रेस किसी भी तरीके से हिंदू समाज में आग लगाए रखना चाहती है, ताकि वो उस पर राजनीतिक रोटियां सेंकती रहे। भारत में जहां भी चुनाव होते हैं, वहां कांग्रेस यही फॉर्मूला लागू करती है।

कांग्रेस बोली-विपक्ष पर हमला करने के लिए सरकारी मंच का उपयोग क्यों कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने X पर पोस्ट किया- राजनीतिक भाषण देने और विपक्ष पर हमला करने के लिए पीएम मोदी को सरकारी कार्यक्रम के मंच का उपयोग नहीं करना चाहिए। टैक्स पेयर के पैसे का इस्तेमाल भोग-विलास के लिए नहीं किया जा सकता है और न ही किया जाना चाहिए। राजनीतिक भाषण के लिए वह भाजपा के मंच का उपयोग कर सकते हैं।

मराठी भाषा को अभिजात भाषा का दर्जा दिया

पीएम ने कहा कि कुछ दिन पहले ही हमने मराठी भाषा को अभिजात भाषा का दर्जा दिया। जब एक भाषा को उसका गौरव मिलता है, तब सिर्फ शब्द नहीं बल्कि पूरी पीढ़ी को नए बोल मिलते हैं। करोड़ों मराठी मानुष का दशकों पुराना सपना पूरा हुआ। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के लोगों ने जगह-जगह इस बात की खुशी मनाई।

कांग्रेस का फॉर्मूला- बांटो और सत्ता पाओ

मोदी ने कहा- कांग्रेस पूरी तरह से सांप्रदायिक और जातिवाद का चुनाव लड़ती है। हिंदू समाज को तोड़कर उसे अपनी जीत का फॉर्मूला बनाना, यही कांग्रेस की राजनीति का आधार है। कांग्रेस भारत के 'सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय' की परंपरा का दमन कर रही है, सनातन परंपरा का दमन कर रही है। कांग्रेस, हमेशा बांटो और सत्ता पाओ के फॉर्मूले पर चली है। कांग्रेस ने बार-बार ये सिद्ध किया है कि वो एक गैर-जिम्मेदार दल है। वो अभी भी देश को बांटने के लिए नए-नए नैरेटिव गढ़ रही है। कांग्रेस समाज को बांटने का फॉर्मूला लाती रहती है।

खालिस्तानी पन्नू ने फिर उगला जहर

- भारत के टुकड़े करने की धमकी
- चीन से लगाई गुहार

खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिस के आतंकी गुरपतवंत सिंह पून्नू ने वीडियो जारी कर भारत के खिलाफ जहर उगला है। उसने देश की एकता के खिलाफ बयान देते हुए कहा कि पंजाब के अलावा दूसरे राज्यों में भी आंदोलन चलाया जाएगा। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, पन्नू ने कहा कि एसजेएफ का मिशन 2024 में वन इंडिया को 2047 तक नन इंडिया करना है। खालिस्तानी ने यह वीडियो कनाडा के विदेश मामलों के डिप्टी मिनिस्ट डेविड मोरिसन के ताजा बयान के बाद जारी किया है। मोरिसन ने बीते दिनों कहा था, 'कनाडा की नीति एकदम साफ है। भारत की क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। भारत एक है और यह पूरी तरह से स्पष्ट कर दिया गया है।'

एसजेएफ पंजाब से अलग खालिस्तान स्टेट बनाने की मांग कर रहा है और इसे लेकर वह कथित तौर पर ग्लोबल रेफरेंडम तैयार करने में जुटा है। हालांकि, पन्नू की इस मांग का पंजाब के भीतर शायद ही कोई समर्थन करता हो। मालूम हो कि गुरपतवंत सिंह पन्नू अमेरिका के न्यूयॉर्क में रहता है और वकालत करता है। उसने अपने वीडियो में जम्मू-कश्मीर, असम, मणिपुर और नागालैंड में पूर्ण आजादी आंदोलन चलाने की धमकी दी; जैसा की पंजाब में करने का प्रयास है।

कांग्रेस को जीती पारी को हारना आता है

- उद्धव ठाकरे ने कसा तंज

मुंबई. हरियाणा विधानसभा चुनाव में हार के बाद INDIA अलायंस के सदस्य कांग्रेस पर सवाल उठाने लगे हैं। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी में शामिल शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) ने कह दिया है कि कांग्रेस जानती है कि जीत को हार में कैसे बदलना है। पार्टी ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता भूपेंद्र हुड्डा पर भी सवाल उठाए हैं। वहीं, उद्धव सेना का कहना है कि कांग्रेस नेताओं को हरियाणा के नतीजों से बहुत कुछ सीखना है।

मुखपत्र सामना में प्रकाशित संपादकीय के अनुसार, 'हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के नतीजे भाजपा-कांग्रेस के लिए चौंकानेवाले हैं। हरियाणा में कांग्रेस की हार की वजह फाजिल आत्मविश्वास और स्थानीय नेताओं की नाफरमानी को माना जा रहा है। कोई भी मजबूती से नहीं कह रहा था कि हरियाणा में दोबारा भाजपा की सरकार आएगी। कुल मिलाकर माहौल यह था कि कांग्रेस की जीत एकतरफा होगी; लेकिन जीत की पारी को हार में कैसे बदला जाए यह कांग्रेस से ही सीखा जा सकता है। हरियाणा में भाजपा विरोधी माहौल था।'

संपादकीय में कहा गया, 'हरियाणा में कांग्रेस ने 'आप' समेत कई घटकों को दूर रखा, क्योंकि उन्हें सत्ता में हिस्सेदारी नहीं चाहिए थी। इस खेल में पूरा राज्य ही हाथ से निकल गया। जम्मू-कश्मीर में 'इंडिया' गठबंधन की जीत हुई। हरियाणा में सिर्फ कांग्रेस पीछे हटी। 'इंडिया गठबंधन' के लिए तस्वीर अच्छी नहीं, लेकिन ध्यान कौन देगा?' हरियाणा में कांग्रेस ने अकेले अपने दम पर चुनाव लड़ा था।

काशी शंकराचार्य नरेंद्रानंद सरस्वती ने शिष्य करुणानंद सरस्वती का किया सराहना

जौनपुर. उप्र. जौनपुर में स्थित श्री शक्ति पीठ, करुणाकर आश्रम भानपुर में श्री काशी सुमेरु पीठाधीश्वर विभूषित जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वती महाराज के कृपापात्र शिष्य सार्वभौम विश्व गुरु स्वामी करुणानन्द सरस्वती महाराज के षोडशी कार्यक्रम के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वती महाराज ने कहा कि स्वामी करुणानन्द सरस्वती महाराज का व्यक्तित्व और कृतित्व अतुलनीय व अनुकरणीय है । उन्होंने सनातन धर्म, सनातन संस्कृति एवम् परम्परा को मजबूत बनाने के लिए यज्ञ को माध्यम बनाया और हजारों विशाल महायज्ञों को सम्पन्न किया।साल 2002 से जौनपुर के अत्यन्त ग्रामीण क्षेत्र भानपुर के शक्ति पीठ का संचालन करते हुए देश के भिन्न-भिन्न प्रदेशों सनातन धर्म की धर्मध्वजा फहराई । वह एक सिद्ध महात्मा थे, जो अपनी साधना की शक्ति से भूत, भविष्य, वर्तमान ही नहीं, अपितु सामने बैठे व्यक्ति के मनोभावों को पढ़ व समझ लेते थे। उनकी कमी तो पूरी नहीं की जा सकती, परन्तु उनके द्वारा संचालित व्यवस्था और सनातन धर्म एवम् संस्कृति का प्रचार-प्रसार अनवरत चलता रहे, इस हेतु अब स्वामी प्रकृष्टानन्द सरस्वती महाराज को 41 मठों के महन्त सन्तों सन्यासियों तथा भानपुर सहित 36 गावों के सनातनी भक्तों की सहमति से शक्ति पीठ, करुणाकर आश्रम, भानपुर का महन्त पूज्य शंकराचार्य महाराज द्वारा घोषित किया गया और उपस्थित सन्यासियों,सन्तों ने शाल, चादर प्रदान कर अभिषेक किया । श्रद्धांजलि सभा में स्वामी बृजभूषणानन्द सरस्वती ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि विश्व गुरु स्वामी करुणानन्द सरस्वती महाराज एक ऐसे सन्यासी थे, जिन्हें आने वाले कल तो क्या ? अगले क्षण की भी चिन्ता नहीं रहती थी । वह सदैव वर्तमान में जीने वाले व्यक्तित्व के सन्यासी थे । प्रतिष्ठानपुरी (झूँसी), प्रयागराज से पधारे चाणक्य पीठाधीश्वर परसुरामाचार्य स्वामी सुदर्शन शरण महाराज ने कहा कि बचपन से ही उनका फक्कड़ स्वभाव था, जो जीवन पर्यन्त बना

रहा । विश्वास ही नहीं होता कि स्वामी अब इस भौतिक संसार में नहीं हैं । जौनपुर के श्याम महाराज ने कहा कि उनका व्यक्तित्व और कृतित्व हम सभी को सदैव सन्मार्ग पर चलने की प्रेरणा प्रदान करता रहेगा । स्वामी प्रकृष्टानन्द सरस्वती ने कहा कि स्वामी के जाने से सनातनियों की जो क्षति हुई है, उसकी पूर्ति कठिन है । उनके दिखाए और बताये हुए मार्ग पर हम सभी चलें, यही हम सभी की स्वामी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी । इस अवसर पर मुम्बई से पधारे आनन्द स्वामी, विकास श्रीवास्तव (देहरादून), मदन सिंह (बस्ती), अभिमन्यु शुक्ल (रायपुर), सुनील शुक्ल, शंकर मास्टर, सुदामा मिश्र, पगुधारी मास्टर, संजय मिश्रा, नन्हे मिश्र, योगेश नारायण मिश्र, कमलेश पाठक, संजय सिंह अध्यापक, हौशिला सिंह, नरसिंह बहादुर सिंह, प्रमोद तिवारी, कमलेश यादव (बदलापुर), विनोद (आजमगढ़), कमलेश पाण्डेय (सुल्तानपुर), जगदम्बा सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष रामविलास पाल, इन्द्रजीत गिरि, ओंकार नाथ पाठक,बालक सूरदास सहित सैकड़ों साधु-संन्यासी, शिष्यों एवम् भक्तों ने ब्रह्मलीन स्वामी करुणानन्द सरस्वती महाराज को श्रद्धांजलि देते हुए अपने विचार व्यक्त किए ।श्रद्धांजलि सभा का संचालन स्वामी बृजभूषणानन्द सरस्वती ने किया ।

श्रद्धांजलि सभा के पश्चात दण्डी सन्यासियों का भण्डारा सम्पन्न हुआ, तत्पश्चात स्वामी के शिष्यों, भक्तों, अनुयायियों एवम् आम जनमानस का भण्डारा सम्पन्न किया गया ।

संक्षेप...

झील में नाबालिग लड़के का शव मिला

ठाणे. ठाणे शहर में एक झील में 10 वर्षीय लड़के का शव मिला है। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि बुधवार आधी रात से कुछ पहले कुछ राहगीरों ने दिवा इलाके में दातिवली झील में शव देखा और स्थानीय पुलिस को सूचित किया। स्थानीय दमकल कर्मी और क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ की टीम मौके पर पहुंची और दिवा निवासी नाबालिग का शव बाहर निकाला। पुलिस ने बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया। अधिकारी ने बताया कि फिलहाल आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है।

रतन टाटा को दिया जाए भारत रत्न

■ महाराष्ट्र कैबिनेट ने पास किया प्रस्ताव

■ केंद्र से की जाएगी सिफारिश

मुंबई. महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने दिवंगत रतन टाटा को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित करने के लिए केंद्र से अनुरोध करने संबंधी प्रस्ताव पारित किया।

उल्लेखनीय है कि रतन टाटा के निधन के बाद महाराष्ट्र सरकार ने उद्योगपति रतन टाटा को श्रद्धांजलि देने के लिए गुरुवार को राज्य में एक दिवसीय शोक की घोषणा की। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने यह जानकारी दी।

टाटा समूह को विश्व स्तर पर प्रसिद्ध समूह में बदलने का श्रेय रतन टाटा को जाता है। उनका बुधवार को मुंबई के एक अस्पताल में 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के हवाले से एक बयान में कहा गया है कि महाराष्ट्र में सरकारी कार्यालयों पर राष्ट्रीय झंडा 10 अक्टूबर को शोक के प्रतीक के रूप में आधा झुका रहेगा। बयान में कहा गया है कि गुरुवार को कोई मनोरंजन कार्यक्रम नहीं होगा।

■ रतन टाटा के लिए सभी की आंखें नम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें एक दूरदर्शी कारोबारी नेता और असाधारण इंसान बताया। मोदी ने एक्स पर कहा, श्री रतन टाटा जी का सबसे अनूठा पहलू बड़े सपने देखना और दूसरों को कुछ देने के प्रति उनका जुनून था। वह शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता, पशु कल्याण जैसे मुद्दों को आगे बढ़ाने में सबसे आगे रहे थे।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रतन टाटा के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया और उन्हें देश का महान सपूत बताया। गडकरी ने एक्स पर लिखा, रतन टाटा के साथ मेरे तीन दशकों से घनिष्ठ पारिवारिक संबंध थे।

नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार ने भी रतन टाटा के निधन पर गहरा शोक जताया।अरबपति हर्ष गोयनका ने भी टाटा के निधन पर दुख जताया और एक्स पर एक पोस्ट में उन्हें 'टाइटन' (अत्यंत महत्वपूर्ण व्यक्ति) करार दिया। रतन टाटा ने सोमवार को कहा था कि उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता की कोई बात नहीं है और वह उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं की जांच करा रहे हैं। उन्होंने कहा था, ₹मैं उम्र संबंधी बीमारियों के कारण अभी चिकित्सकीय जांच करा रहा हूं। चिंता की कोई बात नहीं है। मैं ठीक हूं।

'लाडली बहना' को लेकर आई डबल खुशखबरी

■ महिलाओं की बल्ले-बल्ले!

मुंबई. लाडकी बहीण योजना को लेकर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बड़ी खुशखबरी दी है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि लाडकी बहीण योजना के माध्यम से राज्य सरकार ने रिकॉर्ड तोड़ अवधि में 2 करोड़ 20 लाख बहनों के खातों में पैसे जमा किये हैं। जबकि दिवाली के भाईदूज (भाऊबीज) के तौर पर नवंबर की राशि भी इसी अक्टूबर महीने में ही बहनों के खाते में जमा की जा रही है।

इस दौरान उन्होंने महिलाओं को आश्वस्त करते ही कहा कि लाडकी बहीण समेत सभी योजनाएं अगले पांच साल तक जारी रहेंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि महायुति को लाडली बहनों का समर्थन मिलेगा और राज्य की सत्ता में वापस आएगी। फडणवीस ने आश्वासन दिया कि शिवसेना, बीजेपी और अजित दादा की एनसीपी की गठबंधन सरकार छत्रपति शिवाजी महाराज के रास्ते पर आगे बढ़ रही है और धोखा नहीं देगी।

उन्होंने चुनाव में विपक्ष के दुष्प्रचार का शिकार न बनने की भी अपील की. वह मंगलवार (8 तारीख) को सोलापुर में आयोजित 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिण' वचनपूर्ति कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस अवसर पर उनके साथ मंच पर एनसीपी प्रमुख व महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार भी मौजूद थे।

महाराष्ट्र सरकार ने 1 जुलाई 2024 से पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश की 'लाडली बहना योजना' की तर्ज पर लाडकी बहिण योजना शुरू की है। इस योजना के तहत 21-65 वर्ष आयु की उन विवाहित, तलाकशुदा और निराश्रित महिलाओं को 1,500 रुपये मासिक सहायता प्रदान की जा रही है, जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 2.5 लाख रुपये से कम है।

महाराष्ट्र में अखबार विक्रेता के लिए कल्याणकारी मंडल की मिली मंजूरी

■ अखबार विक्रेताओं को न्याय देने वाला देश में पहला राज्य

ठाणे. लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ का हिस्सा अखबार विक्रेता भी है।अखबार विक्रेताओं के लिए कल्याणकारी मंडल के मंजूरी मिली।

अखबार विक्रेताओं को न्याय देने वाला देश में पहला राज्य महाराष्ट्र है। गुरुवार को विधायक संजय केलकर ने ठाणे रेस्ट हाउस में पत्रकार परिषद में कहा कि पिछले 6 साल से अखबार विक्रेता असोसिएशन के मुद्दे को लेकर विधानसभा में उठाया था आज सरकार ने पारित कर दिया इस अवसर पर परिवहन सदस्य विकास पाटील, असोसिएशन अध्यक्ष दत्ता घाडगे, वृत्तपत्र विक्रेते संजय सातार्डेकर, वैभव म्हात्रे, शरद पवार, समीर कोरे, दिलीप चिंचोले, संदीप अवारे, विवेक इसामे, भरत कुटे, सुरेश मस्करे, प्रदीप बिडलान, दिनेश भिंताडे, राजेंद्र सुर्वे, बंडू कदम, अजय मोरे, कृष्णा सालुंखे व गणेश शेडगे आदि उपस्थित थे।

विधायक केलकर ने सीएम एकनाथ शिंदे व डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस का आभार व्यक्त किया।

रिश्वत लेने के आरोप में नवी मुंबई के एन.आर.आई पुलिस स्टेशन के

सीनियर इंस्पेक्टर सतीश कदम गिरफ्तार

नवी मुंबई. जमानत दिलाने में मदद करने के लिए साढ़े तीन लाख रूपए की रिश्वत लेने के आरोप में नवी मुंबई के एन.आर.आई पुलिस स्टेशन के सीनियर इंस्पेक्टर सतीश कदम को एसीबी की टीम ने गिरफ्तार किया है. एसीबी की जानकारी के मुताबिक़ एक बिल्डिंग गिरने के मामले में शिकायतकर्ता के पिता के खिलाफ नवी मुंबई के एन.आर.आई के कोस्टल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में उन्हें गिरफ्तार किया गया था. फिलहाल शिकायतकर्ता के पिता तलोजा की जेल में बंद है. इसी मामले में मदद करने के लिए और जमानत दिलाने के लिए सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर सतीश कदम ने शिकायतकर्ता से 12 लाख रूपए और इसके बाद 2 लाख रूपए की मांग की थी. इन्होने इस रकम को पहले ही वसूल कर लिया था ।

इसके बाद 2 अक्टूबर को शिकायतकर्ता के पिता के खिलाफ एनआरआई पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया था. इसमें कदम ने शिकायतकर्ता के पिता को हिरासत में नहीं लेने के लिए, और गिरफ्तार न करने के लिए शिकायतकर्ता से 5 लाख रुपए की रिश्वत मांगी. लेकिन रिश्वत देने की मंशा नहीं होने कारण 8 अक्टूबर को शिकायतकर्ता ने एसीबी में शिकायत कर दी. एसीबी ने इस मामले में जांच की ।

इसके बाद 8 अक्टूबर को कदम ने कम ज्यादा करके 4 लाख रूपए रिश्वत लेने की बात मानी. इसके बाद एसीबी ने तत्काल ट्रैप लगाकार कदम को साढ़े तीन लाख रूपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा. इस मामले में कदम के खिलाफ पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है.

बच्ची की हत्या के मामले में आजीवन कारावास

मुंबई. बॉम्बे हाई कोर्ट 2017 में एक महिला और दो साल की बच्ची की हत्या के मामले में एक व्यक्ति की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया।जस्टिस रेवती मोहिते-डेरे और श्याम चांडक की पीठ ने दीपक जठ की दोषसिद्धि को बरकरार रखा, लेकिन उसकी मौत की सजा को घटाकर आजीवन कारावास कर दिया।पीठ ने कहा, ₹हमने माना है कि यह मामला दुर्लभतम श्रेणी में नहीं आता है।

इस मामले में मौत की सजा ही एकमात्र सजा नहीं है।₹हाई कोर्ट राज्य सरकार द्वारा जठ की मौत की सजा की पुष्टि की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था। मौत की सजा तभी दी जा सकती है, जब हाई कोर्ट इसकी पुष्टि करे।

2023 में एक सत्र अदालत ने जठ को दोषी ठहराया और उसे मौत की सजा सुनाई और कहा कि उसके द्वारा किया गया अपराध दुर्लभतम श्रेणी में आता है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, अप्रैल 2017 में, जथ ने दो महिलाओं, एक 17 वर्षीय लड़की और एक दो वर्षीय लड़की पर कुछ तरल पदार्थ डाला और उन्हें बांद्रा में आग लगा दी। दोनों की जलने से मौत हो गई। जथ ने पहले भी 17 वर्षीय लड़की के साथ छेड़छाड़ की थी और जब उसे इसके लिए डांटा गया तो वह नाराज हो गया था। अपने बचाव में, जथ ने तर्क दिया कि वह महिलाओं से नाराज था क्योंकि उन्होंने उसे 'हिजड़ा और छक्का' कहा था।

साइबर अपराधियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले 1.77 करोड़ मोबाइल कनेक्शन काटे

मुंबई. दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने फर्जी/जाली दस्तावेजों पर लिए गए मोबाइल कनेक्शन, साइबर अपराधियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले मोबाइल कनेक्शनों को डिस्कनेक्ट करने और ब्लॉक किए गए मोबाइल हैंडसेट की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए कड़े कदम उठाए हैं और फर्जी/जाली दस्तावेजों पर लिए गए डिस्कनेक्ट किए गए मोबाइल कनेक्शनों से जुड़े बैंकों और पेमेंट वॉलेट के खातों को भी फ्रीज कर दिया है।

एक अधिकारी ने बताया कि ₹डीओटी ने इस साल अब तक फर्जी/जाली दस्तावेजों पर लिए गए 1.77 करोड़ मोबाइल कनेक्शनों को डिस्कनेक्ट किया है। इसने देश भर में साइबर अपराधियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले 33.48 लाख मोबाइल कनेक्शनों को डिस्कनेक्ट किया है और 49,930 मोबाइल हैंडसेटों को ब्लॉक किया है। इसके अलावा, एक व्यक्ति के लिए निर्धारित सीमा से अधिक 77.61 लाख मोबाइल कनेक्शनों को डिस्कनेक्ट किया गया है।₹

विभाग ने साइबर अपराध या धोखाधड़ी गतिविधियों में शामिल 2.29 लाख मोबाइल फोन को भी पूरे भारत में ब्लॉक किया है। अधिकारी ने कहा, ₹दूरसंचार विभाग ने दुर्भावनापूर्ण एसएमएस भेजने में शामिल लगभग 20,000 संस्थाओं, 32,000 एसएमएस हेडर और दो लाख एसएमएस टेम्प्लेट को भी डिस्कनेक्ट कर दिया है। बैंकों और पेमेंट वॉलेट द्वारा लगभग 11 लाख खातों को फ्रीज कर दिया गया है, जो नकली/जाली दस्तावेजों पर लिए गए

डिस्कनेक्ट किए गए मोबाइल कनेक्शन से जुड़े थे और इन अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 365 एफआईआर दर्ज की गई हैं।₹ दूरसंचार विभाग के पास साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए हितधारकों के बीच दूरसंचार संसाधनों के दुरुपयोग से संबंधित जानकारी साझा करने के लिए एक ऑनलाइन सुरक्षित डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म (डीआईपी) है।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर

जिला विधी सेवा प्राधिकरण में शिविर का आयोजन

ठाणे. विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के निमित्त जिला न्यायालय में जिला विधी सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष व जिला न्यायाधीश श्रीनिवास बि. अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला विधी सचिव ईश्वर सुर्यवंशी के मार्गदर्शन में जिला विधी प्राधिकरण व प्रादेशिक मनोरोगी अस्पताल ठाणे की ओर से विश्व मानसिक दिवस पर शिविर का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के शुरुआत में प्राधिकरण के सचिव ईश्वर सुर्यवंशी ने कहा कि आज के भाग दौड़ की जिदंगी में मानसिक तनाव हो गया है इसलिए न्यायालय के कर्मचारियों को मानसिक तनाव से मुक्त होना आवश्यक है और इस विषय को प्रधानता देना चाहिए।मन में विकार नही मन का विकास होना चाहिए यह बात मनोरोगी अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टर अमोल भुसारे ने अपना विचार व्यक्त किया।मुख्य न्यायदंडाधिकारी, ठाणे एस.के. फोकमारे ने कहा कि भुतकाल के बातों को लेकर तनाव नही लेना चाहिए वर्तमान में ध्यान रखना चाहिए नही तो उसका असर वर्तमान पर पड़ता है।भुतकाल की गलती को वर्तमान में सुधारने का काम करना चाहिए।

माता माई राजाईण मंदिर, पूज्य चालीहा साहिब के पास, उल्हासनगर-5

दीपिका की खूबसूरती देख मुरीद हो गए थे भंसाली

दीपिका पादुकोण बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेसस में शुमार हैं। ऑन स्क्रीन हो या ऑफ स्क्रीन दीपिका की खूबसूरती और उनकी आवाज का हर कोई दीवाना है। अब हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान डायरेक्टर संजय लीला भंसाली ने बताया जब उन्होंने दीपिका पादुकोण को पहली बार देखा तो उनका रिएक्शन कैसा था। उन्होंने कहा, 'मैं दीपिका की खूबसूरती देखकर हैरान रह गया था।'

दीपिका बेहद ही खूबसूरत एक्ट्रेस हैं- भंसाली

हॉलीवुड रिपोर्टर को दिए एक इंटरव्यू में संजय लीला भंसाली ने कहा, ₹मैं दीपिका पादुकोण से मिलने पहली बार उनके घर गया था, उन्होंने दरवाजा खोला तो मैं उनकी खूबसूरती और उनकी आंखें देखकर पूरी तरह से दंग रह गया। मुझे उन्हें देखकर ये एहसास हुआ कि उनके हाव भाव से लेकर, उनकी कोमलता, मतलब वह सचमुच बहुत सुंदर हैं।'

'मुझे महसूस हुआ मैं सही जगह पर हूं'

भंसाली ने कहा, 'दीपिका ने जैसे ही बात करना शुरू किया, मुझे एहसास हुआ कि उनकी आवाज भी बेहद प्यारी है। मुझे ये महसूस हो गया था कि मैं सही जगह पर सही समय पर पहुंचा हूं। मुझे पता था कि मैं इस लड़की को किसी भी रंग में ढाल सकता हूं। आपकी एक इंस्टिंक्ट होती है, जो आपके सोल को किसी और के सोल से कनेक्ट करती है।'

संजय लीला भंसाली और दीपिका पादुकोण ने पहली बार साल 2013 में फिल्म गोलियों की रासलीला राम-लीला में काम किया था।

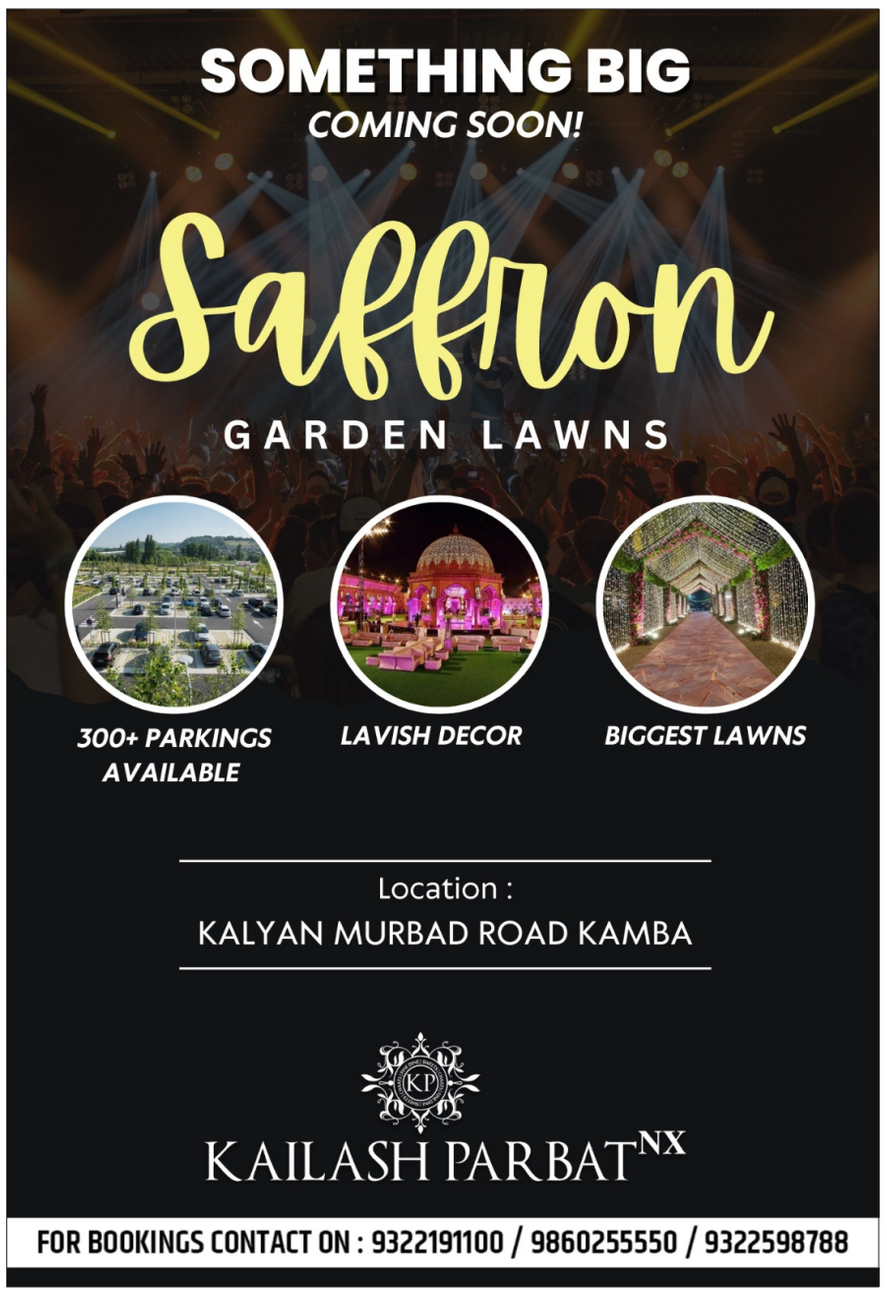

उल्हास विकास NEWS
www.ulhasvikas.com
ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now
/ulhasvikas /ulhasvikas
/ulhasvikas /ulhasvikas

Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel उल्हास विकास NEWS

संस्थापक संपादक- स्व. श्री अशोक उकाराम बोधा

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक
ULHAS VIKAS Hindi Daily By :- HERO ASHOK BODHA
www.ulhasvikas.com (Editor in Chief)

25 Lakhs THANK YOU Viewer's
25,00,000
ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099